

विनय शंकर पाण्डेय,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग विभाग,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक

12 जुलाई, 2016

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान सं० 23 के अन्तर्गत मुख्य लेखाशीर्षक-2058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में लेखानुदान द्वारा प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड रुड़की के पत्र संख्या-1038/बजट/2016-17 दिनांक 13 अप्रैल, 2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान सं० 23 के अन्तर्गत मुख्य लेखाशीर्षक 2058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष की राजकीय मुद्रणालय रुड़की अधिष्ठान योजनान्तर्गत ₹ 200 हजार (₹ दो लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर निम्न विवरणानुसार प्रदिष्ट किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1.	2058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण-00-001- निदेशन एवं प्रशासन 03-राजकीय मुद्रणालय रुड़की का अधिष्ठान 29-अनुरक्षण	(धनराशि ₹ हजार में) स्वीकृत धनराशि
	योग	200
		200

- (1) उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि अपने अधीनस्थ कार्यालयाध्यक्ष/आहरण वितरण अधिकारियों को स्वीकृत धनराशि का आवंटन इन्टरनेट के माध्यम से साफ्टवेयर द्वारा किया जाना सुनिश्चित करें।
- (2) प्रश्नगत धनराशि इस शर्त के साथ अवमुक्त की जा रही है कि आहरण वितरण अधिकारी द्वारा नियमानुसार एवं वास्तविक व्यय के अनुसार ही धनराशि का आहरण किशतों में किया जायेगा।
- (3) धनराशि का व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा आहरण वितरण अधिकारी धनराशि की फांट कर उसकी प्रति शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।
- (4) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-8 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (5) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार मासिक रूप से आहरण किया जाय एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
- (6) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के अनुदान संख्या-23 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष के लेखाशीर्षक-2058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण-00-001-निदेशन एवं प्रशासन-03-राजकीय मुद्रणालय, रुड़की अधिष्ठान के सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-269/XXVII-2/2016 दिनांक 05 जुलाई, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनय शंकर पाण्डेय)

अपर सचिव

संख्या: 1000 (1) /VII-1/2016 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की हरिद्वार।
3. अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की हरिद्वार।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-2/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह पतियाल)

उप सचिव